

प्रसाधार ए

EXTRAORDINARY

भाग I--ख• 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 28]

नई दिल्ली, शिनवार, फरवरी 2, 1974/साध 13, 1895

No. 281

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 2, 1974/MAGHA 13, 1895

इस भाग में भिन्न पट्ट मंख्या वी जाती हैं जिसस कि यह ग्रस्तग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 2nd February 1974

Subject.—Import Policy for Registered Exporters for 1973-74—Registration of export contracts (Amendment No. 83).

No. 17-ITC(PN)/74.—Attention is invited to the provisions pertaining to "Registration of Export Contracts" as contained in paragraphs 56 to 64 of Part 'B', Section I of the Import Trade Control Policy (Red Book—Vol. II) for April 1973—March 1974 as amended.

2. It has been decided that the aforesaid provisions will also apply to the cases covered by paragraph 5(b), Part 'B' of the above mentioned Red Book, i.e. the contracts for supplies made by Indian firms against IBRD/IDA Aided Projects in India, when such supplies are made under the procedure of international competitive bidding, provided such contracts are registered in accordance with the prescribed procedure.

S. G. BOSE MULLICK, Chief Controller of Imports & Exports.

वाणिक्य मंत्रारूय

सार्वजनिक सूचना

श्रायात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1974

विषय.---1973--74 के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए प्रायान नीति निर्यात संविदाश्रों का पंजी-करण (संशोधन सं० ---83)।

सं० 17-ग्राई० टी० सी० (पी० एन०)/74.—ग्राप्रैल, 1973—मार्च, 1974 वर्ष के लिए यथा संगोधित ग्रायात व्यापार नियंत्रण नीति (रेडबुक वा० – 2) के खंड – 1 भाग'बी' की कंडिका 56 से 64 में थथा निहित '' निर्यात संविदाग्रों का पंजीकरण '' से संबंधित व्यवस्थाग्रों की ग्रोर ध्यान ग्राकुष्ट किया जाता है।

2. यह निम्चय किया गया है कि उक्त व्यवस्थाएं उपर्युक्त उल्लिखित रेडबुक के भाग 'बी' की कंडिका 5 (बी) के अन्तर्गत आने वाले मामलों के लिए भी लागू होंगी अर्थात भारत में आई बी आर अी/आई डी ए सहायता प्राप्त परियोजनाओं के मद्दे भारतीय फर्मों द्वारा किए गए संभरण के लिए संविदाएं बणतें कि ऐसी संविदाएं निर्धारित कियाविधि के अनुसार पंजीकृत की जाती हैं। और जबकि ऐसे संभरण अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगी बोली की कियाविधि के अन्तर्गत किए गए हैं।

एस० जी० बोस मल्लिक, मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात ।